नईदुनिया

पाकिस्तान में बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी के खिलाफ सैन्य अभियान शुरू करने की घोषणा

इस्लामाबाद

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने प्रतिबंधित बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के खिलाफ सैन्य अभियान शुरू करने की घोषणा की।

शहबाज ने राष्ट्रीय कार्ययोजना (एनएपी) की शीर्ष समिति की बैठक में आतंकवाद पर चर्चा के दौरान सरकार के भावी कदमों की जानकारी दी।

बैठक की अध्यक्षता प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने की। शीर्ष समिति ने आतंकवाद और अलगाववादी गतिविधियों के खिलाफ बलूचिस्तान में पूर्ण सैन्य अभियान को मंजूरी दी। साथ ही राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी प्राधिकरण को पुनर्जीवित करने की कसम खाई। शहबाज शरीफ ने प्रतिबंधित बीएलए को कुचलने के लिए दृढ़ प्रतिबद्धता व्यक्त की।

बैठक में थल सेनाध्यक्ष जनरल असीम मुनीर, सभी मुख्यमंत्री, संघीय कैबिनेट सदस्य और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। सभी ने एक स्वर से कहा कि मजीद ब्रिगेड, बीएलए, बीएलएफ (बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट) और बीआरएएस (बलूच राजी आजोई संगर) सहित बलूचिस्तान में सक्रिय आतंकवादी संगठन मुल्क की आर्थिक स्थिति को खराब करने के लिए निर्दोष नागरिकों और विदेशी नागरिकों को निशाना बना रहे हैं। इसलिए इनके खिलाफ व्यापक सैन्य अभियान जरूरी है। थल सेनाध्यक्ष जनरल मुनीर ने शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए सरकार की पहल का समर्थन किया।

न्यूज ब्रीफ

कनाडा सुरक्षा एजेंसियों का दावा: पीएम मोदी को निज्जर की हत्या की पहले से थी जानकारी

ओटावा। कनाडा ने खालिस्तानी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या मामले में भारत के पीएम नरेंद्र मोदी पर सवाल उठाए हैं। कनाडा की सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि पीएम मोदी को इस हत्या और इससे जुड़ी साजिशों के बारे में पहले से जानकारी हो सकती थी। कनाडा के एक वरिष्ठ राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारी के मुताबिक भारत के गृह मंत्री अमित शाह, सलाहकार अजीत डोभाल और विदेश मंत्री सुब्रह्मण्यम जयशंकर भी इस मामले में शामिल थे और यह संभावना भी जताई कि पीएम मोदी को इस हत्या की जानकारी हो सकती है। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि कनाडा और अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने खालिस्तानी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को भारत सरकार के अधिकारियों से जोड़ा है। कनाडा के पास इस बात का कोई ठोस प्रमाण नहीं है कि पीएम मोदी को हत्या के बारे में पहले से जानकारी थी, फिर भी यह माना जा सकता है कि पीएम मोदी और उनके वरिष्ठ मंत्रियों के बीच इस पर चर्चा हुई हो। कनाडा पीएम जस्टिन ट्रूडो ने हाल ही में ब्राजील में जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान कहा था कि उन्होंने भारतीय अधिकारियों से खालिस्तान समर्थक गतिविधियों के बारे में बातचीत की और अपनी सरकार के रुख को साफ किया है। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी प्राथमिकता हमेशा कनाडाई नागरिकों की सुरक्षा करना है। कनाडा ने निज्जर की हत्या के बाद भारत पर आरोप लगाते हुए कहा था कि भारत सरकार के एजेंट कनाडा में गंभीर आपराधिक गतिविधियों में शामिल हो सकते हैं।

पीओके में अशांति के बादल, पांच दिसंबर से बंद का ऐलान

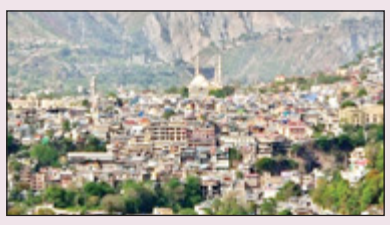

मुजफ्फराबाद। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में राष्ट्रपति अध्यादेश का विरोध तेज हो गया है। अध्यादेश के खिलाफ शुरू आंदोलन के दौरान रावलकोट और मीरपुर में हुई गिरफ्तारियों से पीओके में अशांति के बादल मंडराने लगे हैं। संयुक्त पीपुल्स एक्शन कमेटी ने पांच दिसंबर से पीओके में एक बार फिर बंद (हड़ताल) का आह्वान किया है। एआरवाई न्यूज चैनल के अनुसार संयुक्त पीपुल्स एक्शन कमेटी ने कहा कि राष्ट्रपति अध्यादेश को समाप्त कर चार्टर को लागू किया जाए। इस अध्यादेश में हर तरह के विरोध प्रदर्शन के लिए प्रशासन की अनुमति लेना अनिवार्य कर दिया गया है। पीओके के लोगों ने इससे पहले सस्ती बिजली और आटे की मांग को लेकर मई में चक्काजाम हड़ताल की थी। इस दौरान रावलकोट, मीरपुर और क्षेत्र के अन्य इलाकों में सभी व्यापार केंद्र, कार्यालय और शैक्षणिक संस्थान बंद रहे।

भारत के थल सेनाध्यक्ष का पांच दिवसीय नेपाल भ्रमण

काठमांडू। भारत के थल सेनाध्यक्ष उपेन्द्र द्विवेदी बुधवार को नेपाल पहुंच रहे हैं। वह नेपाली सेना के मानद महारथी का पद प्राप्त करने के लिए नेपाल आने वाले हैं। नेपाली सेना के मुताबिक 21 नवंबर को राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल द्वारा उन्हें मानद महारथी का दर्जा देने का कार्यक्रम है। नेपाल और भारत में एक-दूसरे के सेना प्रमुखों को मानद महारथी सम्मान से सम्मानित करने की परंपरा है। इसी परंपरा का निर्वहन करते हुए भारतीय सेना प्रमुख भी नेपाल आने वाले हैं। वह 24 नवंबर तक नेपाल में रहेंगे। अपने पांच दिवसीय नेपाल भ्रमण के दौरान वह राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल, प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली, रक्षा मंत्री मनवीर राई और नेपाली सेना प्रमुख अशोक राज सिगदेल के साथ औपचारिक बैठक करेंगे। दोपहर सेना के विशेष विमान से उनके नेपाल पहुंचने पर काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय विमानस्थल पर अतिविशिष्ट कक्ष में नेपाली सेना के उपप्रमुख द्वारा उनका स्वागत किया जाएगा। विमानस्थल से सीधे वह सैनिक मंच टुंडीखेल जाएंगे और वीर स्मारक पर श्रद्धा-सुमन अर्पित करेंगे। औपचारिक और शिष्टाचार मुलाकातों के अलावा नेपाल सेना के प्रधान सेनापति के साथ द्विपक्षीय सहयोग पर बैठक में शामिल होंगे। इसके अलावा कमांड एंड स्टाफ कॉलेज के छात्रों के साथ बातचीत और वेस्ट कमांड मुख्यालय का दौरा करने का भी उनका कार्यक्रम है। नेपाल और भारत के बीच सन् 1950 से ही एक-दूसरे के सेना प्रमुख को अपने देश के सेना प्रमुख की मानद उपाधि देने की परंपरा है।

पुतिन के गुरु अलेक्जेंडर डुगिन ने मोदी को लेकर दे दिया बड़ा बयान

भारत को एक स्वतंत्र, शक्तिशाली और सम्मानित राष्ट्र में बदला

मास्को। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के गुरु प्रसिद्ध रूसी राजनीतिक वैज्ञानिक और दार्शनिक, अलेक्जेंडर डुगिन वर्तमान में एक निजी मिशन के लिए भारत में हैं। एक निजी चैनल को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कई विषयों पर अपने विचार साझा किए, जिनमें दुनिया कैसे बदल रही है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तहत भारत का भविष्य और दुनिया हिंदुत्व के उदय को कैसे देखती है। डुगिन ने पीएम मोदी को विभिन्न क्षेत्रों और विचारधाराओं के विश्व नेताओं के साथ संबंधों को संतुलित करने की दुर्लभ क्षमता वाला एक उल्लेखनीय नेता बताया। उन्होंने भारत को एक स्वतंत्र, शक्तिशाली और सम्मानित राष्ट्र में बदलने के लिए पीएम मोदी की सराहना की।

अलेक्जेंडर दुगिन न केवल प्राथमिक पुतिन के गुरु माने जाते हैं बल्कि रूस के नीति निर्धारक भी माने जाते हैं। पुतिन हर फैसले से पहले अलेक्जेंडर दुगिन से सलाह लेते हैं। यूक्रेन जंग पर दुगुने पुतिन के अगले प्लान का खुलासा किया। दुगिन ने इशारों में कहा कि पुतिन कोई बड़ा फैसला लेने वाले हैं। 2022 में मॉस्को के बाहरी इलाके में एक कार बम विस्फोट में उनकी बेटी की मौत हो गई थी। डुगिन ने भारत के बारे में न केवल एक देश के रूप में बल्कि अखंड भारत के रूप में बात की, जिसका अर्थ महान प्रभाव वाले इतिहास के साथ एक एकीकृत और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध राष्ट्र है। उन्होंने भारत की प्राचीन वैदिक परंपराओं और मूल्यों को बहाल करने, भारत के समृद्ध इतिहास को इसकी आधुनिक प्रगति के साथ जोड़ने की दिशा में काम करने के लिए

पीएम मोदी की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यह प्रयास भारत को वैश्विक मंच पर आध्यात्मिक और सांस्कृतिक नेता के रूप में खड़ा करता है।

डुगिन के अनुसार, पीएम मोदी के नेतृत्व ने भारत को मजबूत अंतरराष्ट्रीय संबंधों के साथ एक प्रमुख वैश्विक शक्ति के रूप में पहचान दिलाई है, जिसमें रूस, अमेरिका और अन्य प्रमुख देशों के साथ संबंध शामिल हैं। डुगिन ने इस बात पर जोर दिया कि भारत का प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है। पीएम मोदी के नेतृत्व में देश ने अपनी अर्थव्यवस्था, प्रौद्योगिकी और आत्मनिर्भरता को मजबूत किया है, जिससे यह वैश्विक मामलों में एक बड़ी ताकत बन गया है। उनका मानना है कि बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारत की भूमिका और महत्वपूर्ण हो जाएगी।

भारतीयों के लिए कनाडा पहली पसंद

नई दिल्ली। कनाडा, एक ऐसा देश जो लाखों हिंदुस्तानियों के दिलों में बसता है। हालांकि पिछले कुछ वक्त से सिख अलगाववादी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले को लेकर भारत और कनाडा के संबंध सबसे खराब दौर से गुजर रहे हैं। लेकिन इस देश का जादू ही है कि लोग अपनी जड़ें छोड़कर कनाडा आना चाहते हैं। तमाम बाधाओं के बावजूद आखिर ऐसा क्या है जो विदेश में पढ़ाई की इच्छा रखने वाले भारतीयों के लिए कनाडा पहली पसंद बना हुआ है? इस साल की शुरुआत में कनाडा ने इंटरनैशनल स्टूडेंट्स के लिए स्टडी परमिट में कटौती करने का ऐलान कर दिया और पति-पत्नी ओपन वर्क परमिट को बंद कर दिया। इसका सीधा सा अर्थ है कि अधिकांश स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए छात्र अपने जीवनसाथी के साथ नहीं जा सकते। कनाडा में 17.6 लाख निवासी भारतीय हैं। भारत की जनसंख्या की तुलना में कनाडा विश्व में सातवें स्थान पर है। इनमें से 15.1 लाख लोगों ने कनाडा या दूसरे देशों की नागरिकता ले ली है। वहां 1.8 लाख निवासी भारतीय हैं। जिन्होंने 2021 में भारत में अपने परिवारों को लगभग 4 बिलियन डॉलर भेजे हैं। कनाडा धन प्रेषण के मामले में नौवें स्थान पर है। कनाडा भारतीय छात्रों का फेवरेट डेस्टिनेशन रहा है। ओटावा में भारतीय उच्चायोग की वेबसाइट के अनुसार, शिक्षा भारत और कनाडा के बीच पारस्परिक हित का एक प्रमुख क्षेत्र है। भारत विदेशी छात्रों का सबसे बड़ा स्रोत है और अनुमानित तौर पर 4,27,000 भारतीय विद्यार्थी कनाडा में पढ़ रहे हैं।

बमबारी के बीच गाजा में नेतन्याहू की दस्तक बोले-यहां नहीं होगा हमास का राज

तेलअवीव

इजरायल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने कसम खाई कि गाजा में अब किसी भी कीमत पर हमास का राज नहीं होगा। साथ ही उन्होंने बंधकों की रिहाई के लिए भी बड़ा ऐलान किया। उन्होंने गाजा दौरे पर कहा कि इस युद्ध के बाद हमास कभी भी फलस्तीनी इलाके यानी गाजा पर राज नहीं कर पाएगा।

नेतन्याहू ने हमास को खत्म करने के अपने वादे को दोहराया और कहा कि इजरायली सेना ने हमास की सैन्य क्षमताओं को पूरी तरह से नष्ट कर दिया है। सोशल मीडिया पर उन्होंने अपने दौरे का वीडियो शेयर किया।

वीडियो में बेंजामिन नेतन्याहू बुलेटप्रूफ जैकेट और हेलमेट पहने गाजा में समुद्र किनारे एक जगह पर खड़े दिखे। उन्होंने एक वीडियो रिकॉर्ड किया, जिसमें उन्होंने कहा कि 'हमास वापस नहीं आएगा।' उन्होंने गाजा में बंधक बनाए गए इजरायलियों का भी जिक्र किया। नेतन्याहू ने कहा कि गाजा में लापता बचे 101 इजरायली बंधकों की तलाश जारी रहेगी। उन्होंने तो हर एक बंधक की वापसी के लिए 50 लाख डॉलर यानी करीब 42,19,56,596 रुपए के इनाम की पेशकश भी की। दुश्मन की धरती पर कदम रख बेंजामिन नेतन्याहू ने हमास आतंकियों को चेतावनी देते हुए कहा, 'जो कोई भी हमारे बंधकों को नुकसान पहुंचाने की हिम्मत करेगा, समझो उसकी मौत होगी। हम तुम्हारा पीछा करेंगे, और हम तुम्हें पकड़ तुम्हारा शिकार करेंगे।' नेतन्याहू ने हर बंधक की वापसी पर 50 लाख डॉलर के इनाम की पेशकश करते हुए कहा, 'जो कोई भी बंधक को वापस लाएगा, उसे सुरक्षित रास्ता निकालने में मदद की जाएगी।

पाकिस्तान के बन्नू में बड़ा आत्मघाती हमला, 12 सैनिकों की मौत

कराची। पाकिस्तान के बन्नू जिले में बड़ा आत्मघाती हमला हुआ है जिसमें 12 सैनिकों की मौत हो गई है। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने कहा कि खैबर पख्तूनख्वा (केपी) जिले बन्नू में एक आत्मघाती हमले में कम से कम 12 सुरक्षाकर्मी शहीद हो गए। सेना की मीडिया विंग ने एक बयान में कहा कि आतंकवादियों ने बन्नू में माली खेल के सामान्य क्षेत्र में एक संयुक्त चेक पोस्ट पर हमला करने का प्रयास किया। जवाबी एक्शन में छह आतंकवादियों को ढेर कर दिया गया है। बयान में कहा गया है कि चौकी में प्रवेश करने के प्रयास को सैनिकों ने प्रभावी ढंग से विफल कर दिया, जिससे हमलावरों को विस्फोटक से भरे वाहन को परिधि की दीवार से टकराने के लिए मजबूर होना पड़ा।

हमले के बारे में आगे बताते हुए सेना की मीडिया विंग ने कहा कि आत्मघाती विस्फोट के कारण परिधि दीवार का एक हिस्सा ढह गया और आसपास के बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा। ईएसपीआर ने कहा, इसके परिणामस्वरूप धरती के 12 बहादुर सपूतों की शहादत हुई, जिसमें सुरक्षा बलों के 10 सैनिक और फ्रंटियर कांस्टेबुलरी के दो सैनिक शामिल थे। यान में कहा गया है कि हमले के बाद इलाके में स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है और इस जघन्य कृत्य के अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। पाकिस्तान के सुरक्षा बल और कानून प्रवर्तन एजेंसियां आतंकवाद के खतरे को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और हमारे बहादुर लोगों के ऐसे बलिदान हमारे संकल्प को और मजबूत करते हैं। राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने मातृभूमि की रक्षा के लिए सैनिकों के अंतिम बलिदान का सम्मान करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। ष्ट्रपति ने एक बयान में कहा कि पूरा देश उन लोगों को सलाम करता है जिन्होंने मातृभूमि की सुरक्षा के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए।

रुस के खिलाफ यूक्रेन का आक्रामक रुख बना संकट, रुस ने कुर्स्क और डोनबास पर किया कब्जा

मास्को

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की के लिए रूस के खिलाफ उनका आक्रामक रुख अब गंभीर संकट बनता जा रहा है। 2024 के शुरुआती महीनों में रूस ने यूक्रेन के बड़े हिस्सा कब्जा लिया है, खासतौर पर कुर्स्क और डोनबास क्षेत्रों। आंकड़ों के मुताबिक रूस ने इस साल यूक्रेन के अब तक 2,700 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पर कब्जा किया है, जो 2023 के मुकाबले छह गुना ज्यादा है। रूस के तेजी से बढ़ते कदम ने यूक्रेनी सैन्य रणनीति को गहरे संकट में डाल दिया है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यूक्रेन की ओर से लगातार आक्रमण और जवाबी हमलों के बावजूद रूस ने अपनी स्थिति मजबूत की है। विशेषकर कुर्स्क क्षेत्र में रूस ने यूक्रेनी आक्रमण को न सिर्फ रोका, बल्कि उस पर फिर से कब्जा कर लिया।

यूक्रेन के लिए यह स्थिति बेहद नाजुक है, क्योंकि रूस की आक्रामकता ने न सिर्फ जमीन के बड़े हिस्से पर कब्जा किया है, बल्कि यूक्रेन की सैन्य ताकत भी खतरे में है। 2023 में जिस क्षेत्र को यूक्रेनी सेना ने रूस से मुक्त किया था, अब वहां रूस ने फिर से अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। यह यूक्रेन के लिए एक रणनीतिक झटका साबित हो रहा है, खासतौर पर कुर्स्क जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में।

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के सामने अब चुनौती यह है कि वह सैन्य आक्रमणों के बावजूद अपने क्षेत्रों को फिर से बचा पाए, ताकि संघर्ष में कोई निर्णायक बदलाव न आए।

नेपाल के पूर्व उपप्रधानमंत्री रवि लामिछाने के खिलाफ सहकारी घोटाले में तीसरा वारंट

काठमांडू।

नेपाल के पूर्व उपप्रधानमंत्री रवि लामिछाने के खिलाफ सहकारी घोटाले में तीसरा वारंट जारी हुआ है। पोखरा के सूर्यदर्शन सहकारी बैंक घोटाले में पिछले एक महीने से पुलिस हिरासत में रहे पूर्व गृह मंत्री रहे रवि लामिछाने के खिलाफ अब काठमांडू के स्वर्णलक्ष्मी सहकारी घोटाले में वारंट जारी किया है। इससे पहले उन पर भैरहवा के सुप्रीम सहकारी बैंक घोटाला में वारंट जारी कर पूछताछ हो चुकी है। पोखरा और भैरहवा के बाद काठमांडू तीसरी जगह है जहां से रवि के खिलाफ वारंट जारी हुआ है।

सहकारी घोटाले की जांच कर रहे केंद्रीय अनुसंधान ब्यूरो (सीआईबी) के प्रवक्ता दीपक थापा ने कहा कि काठमांडू जिला अदालत से रवि लामिछाने के खिलाफ वारंट जारी किया गया है। काठमांडू में हुए सहकारी घोटाले में पूछताछ के लिए लामिछाने को पोखरा से काठमांडू लाने की तैयारी की जा रही है। लामीछाने को पोखरा से काठमांडू लाने के लिए पोखरा के कास्की जिला अदालत में अर्जी दी गई है। उन्होंने कहा कि जैसे ही अदालत से अनुमति मिल जाती है रवि लामिछाने को काठमांडू लाकर पूछताछ की जाएगी।

पोखरा के पुलिस रिमांड में रहे रवि लामिछाने के खिलाफ दो अन्य सहकारी बैंक घोटाले में भी नामजद अभियुक्त बनाया गया है। सीआईबी के प्रवक्ता ने बताया कि काठमांडू के अलावा दो अन्य स्थानों से भी रवि लामिछाने के खिलाफ वारंट जारी करने का प्रयास चल रहा है। पोखरा, भैरहवा और काठमांडू के बाद अब बीरगंज और चितवन में रहे सहकारी बैंक घोटाले में पूछताछ के लिए ले जाया जाएगा।

रवि लामिछाने पर पांच अलग-अलग शहरों के सहकारी बैंक के करोड़ों रुपये अनाधिकृत रूप से अपने गैलेक्सी टीवी चैनल में निवेश का आरोप है। इन सहकारी बैंकों के सदस्य नहीं होने के बावजूद रवि लामिछाने पर इन बैंकों से ऋण के रूप में करोड़ों रुपए की निकासी कर अपने नाम से गैलेक्सी टीवी में निवेश किया था। राजनीति में आने से पहले पत्रकार रहे रवि लामिछाने सहकारी बैंकों के साझेदार के साथ मिल कर गैलेक्सी टीवी संचालन किया करते थे।

पाकिस्तान: आतंकवादियों से मुठभेड़ में 11 जवानों की मौत

पेशावर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के अशांत बन्नू जिले में पिछले 24 घंटों के दौरान आतंकवादियों से मोर्चा लेते समय सुरक्षाबलों के कम से कम 11 जवानों की जान चली गई। सूत्रों के हवाले से छपी खबर के अनुसार, मंगलवार को बन्नू के जानीखेल इलाके में माली खेल चौकी के पास एक आत्मघाती हमले में लगभग 11 जवानों की मौत हो गई, जबकि दो जवानों की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटनास्थल पर अतिरिक्त सुरक्षा बलों के पहुंचने के बाद घायलों और सैनिकों के शवों को निकाला गया। पिछले महीने के अंत में इसी जिले के बक्का खेल इलाके में हुई गोलीबारी में सेना के मेजर समेत तीन सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई थी। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की तिराह घाटी में सप्ताहांत आतंकवादियों के साथ भीषण गोलीबारी में कम से कम आठ सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई थी।